B. A Part Two
IIIrd paper

by :-
Dr. Shailesh Kumar
dept. of economics
raja Singh College Siwan
mob- 9934788061

पूँजी निर्माण का अर्थ एवं भारत में पूँजी निर्माण :-

(The meaning of Capital formation & process of capital formation)

"पूँजी निर्माण का आशय यह है कि समाज अपनी समस्त वर्तमान उत्पादन क्षमता को अपनी उपभोग संबंधी तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नहीं लगाता वरन् उसका एक भाग पूँजीगत वस्तुओं, अर्थात यन्त्र, उपकरण, मशीनों तथा यातायात की सुविधाओं एवं संचार आदि वास्तविक पूँजी के विभिन्न रूपों जिनसे उत्पादन संबंधी क्रियाओं की क्षमता में अत्यधिक वृद्धि होती है, के निर्माण के लिए प्रयोग करता है। अतः इस प्रक्रिया का सारांश यह है कि समाज में उपलब्ध प्रचलित साधनों के एक भाग का प्रयोग पूँजीगत वस्तुओं के कोष को बढ़ाने में किया जाता है जिससे भविष्य में उपभोग पदार्थों के उत्पादन में वृद्धि हो सके।"

पूँजी निर्माण की प्रक्रिया (The process of Capital formation)

किसी भी देश में पूँजी का निर्माण एक लम्बी प्रक्रिया का परिणाम होता है, जिसमें निम्नलिखित तीन स्तर पर स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है।

(I) बचत होना, जो बचाने की इच्छा एवं योग्यता पर निर्भर करती है,
(II) बचत को जमा कर उचित दिशा में लगाना जिससे उसे विनियोग योग्य बनाया जा सके। यह बैंकिंग व्यवस्था के समुचित विकास पर भी निर्भर करता है। तथा
(III) पूँजीगत माल (Capital goods)

P.T.O.

Scanned by CamScanner

(i) बचत (Saving)

सर्वप्रथम पूँजी बचत का परिणाम है। Capital is the result of Saving। प्रचलित आय एवं उपभोग के अंतर को पूँजी कहा जाता है। अपनी सम्पूर्ण वर्तमान आय को उपभोग की वस्तुओं पर व्यय नहीं करके इसका जो भाग बचा लिया जाता है उसे बचत कहते हैं बचत का किसी देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। किन्तु अर्द्ध विकसित देशों में प्रति व्यक्ति आय बहुत कम होती है, जिससे बचत भी बहुत कम ही या नहीं के बराबर होती है। इससे उन देशवासियों का जीवन स्तर बहुत ही निम्न होता है। अतः द्रुतगति से विकास के लिए ऐसे उपायों को अपनाना आवश्यक है जिनसे एक बचत में वृद्धि हो। यदि राष्ट्रीय आय में वृद्धि के लिए पूँजी निर्माण की दर को बढ़ाना है तो इसके लिए बचत की दर में भी वृद्धि आवश्यक है।

(ii) पूँजी निर्माण की द्वितीय अवस्था ! विनियोग

जब समाज में बचत के लिए आवश्यक परिस्थितियों का निर्माण हो जाता है तब उसे बचत को ~~विभिन्न~~ विभिन्न प्रक्रियाओं के द्वारा उचित मार्गों की ओर निर्देशित करने की आवश्यकता पड़ती है। पूँजी निर्माण की प्रक्रिया की यह द्वितीय महत्वपूर्ण अवस्था है। इसके अन्तर्गत समाज की बचत को एकत्र करने के लिए देश में बैंकिंग, ~~विभिन्न~~ बीमा कम्पनियाँ, विनियोग ट्रस्टों जैसी वित्तीय संस्थाओं का एक जाल सा बिछा होना आवश्यक है। ये संस्थाएँ समाज के विभिन्न वर्गों की बचतों को एकत्र कर उन्हें उचित विनियोक्ताओं के पास पहुँचाती है। अविकसित तथा अर्द्ध विकसित देशों में सामान्यतः इस प्रकार की संस्थाओं का अभाव पाया जाता है। अतः पूँजी निर्माण के लिए देश में इन विभिन्न प्रकार की वित्तीय संस्थाओं का एक जाल से बिछा होना आवश्यक है

(iii) पूँजी निर्माण की तृतीय अवस्था विनियोग (Investment)

P.T.O.

यह पूँजी निर्माण की तृतीय तथा सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवस्था है। वास्तव में, केवल बचत को एकत्र करने की भी आवश्यकता होती है, जो बचत को लाभदायक तरीके से विनियोग कर सके। पूँजी निर्माण की प्रक्रिया में इस अवस्था का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि विनियोग पर ही उत्पादन निर्भर करता है और उत्पादन पर पूँजी निर्माण। सामान्यतः यह सोचा जाता है कि अविकसित तथा अर्द्धविकसित देशों में पूँजी निर्माण की प्रक्रिया में प्रमुख समस्या बचत की मात्रा को बढ़ाने की है। क्योंकि एकत्र की गई सम्पूर्ण बचत का कुशलतापूर्वक विनियोग किया जाता है। किन्तु हाल के अनुभवों से यह स्पष्ट होता है कि विनियोग की उचित व्यवस्था भी इन देशों की एक प्रधान समस्या है। विश्व बैंक के अनुसार भी वास्तविक कठिनाई कोषों की कमी की नहीं है बल्कि पर्याप्त मात्रा में ऐसी योजनाओं को तैयार करने की है जिन पर लाभदायक तरीके से विनियोग किया जा सके।

निष्कर्ष (Conclusion)

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि पूँजी निर्माण की ये तीन अलग अलग अवस्थाएँ या प्रक्रियाएँ हैं, उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि यद्यपि ये तीनों परिवर्तन एक दूसरे से स्वतंत्र हैं। तथापि पूँजी निर्माण के लिए इन तीनों की महत्वपूर्ण रूप से आवश्यकता पड़ती है। उदाहरण के लिए पूँजी निर्माण के लिए सबसे पहले बचत आवश्यक है। क्योंकि बचत का ही प्रकार है। और परिणाम है। इसके बाद बैंक, बीमा कम्पनियाँ तथा इसी प्रकार की अन्य वित्तीय संस्थाएँ इन छोटी, छोटी बचतों को एकत्र करती हैं और अन्ततः इन्हें योग्य, कुशल एवं ईमानदार उद्यमियों द्वारा लाभदायक तरीके से विनियोग करता है।